Date – 26/08/2020

Dr. Sanehlata
Asst. Professor (Guest faculty)
Dept. of Philosophy
Women's College, Samastipur
Email Id. – Snehababli 1987 @ gmail.com
Cont. no. – 8409587640

Class – B.A. -I (Hons.)

Topic – Spinoza - Western Philosophy

Scanned with CamScanner

स्पिनोजा (Spinoza)

बेनेडिक्ट स्पिनोजा आधुनिक पाश्चात्य दर्शन की बुद्धिवादी परम्परा के एक महत्वपूर्ण विचारक हैं। इनके दर्शन पर डेकार्ट के विचारों का प्रभाव अवश्य है, परन्तु इससे इनकी मौलिकता विनष्ट नहीं हुई है। स्पिनोजा ने डेकार्ट के विचारों में विद्यमान त्रुटियों एवं दोषों को हटाकर उसे एक नए रूप में प्रतिष्ठित किया है।

डेकार्ट एवं स्पिनोजा में निम्नलिखित बिन्दुओं पर समानता है—

(1) बुद्धिवादी विचारक

(2) गणित को ज्ञान का आदर्श मानना

(3) जगत को यन्त्रवत् मानना

(4) द्रव्य, गुण एवं पर्याय का विभाजन स्वीकार्य, ~~इस~~ पर इनसे संबंधित अन्य बातों में मतभेद।

(5) दोनों प्राचीन धार्मिक एवं ~~रूढ़िगत~~ रूढ़िगत विचारों की आलोचना करते हैं।

इन्हीं समानताओं को देखकर लाइबनित्ज ने स्पिनोजा पर यह आक्षेप लगाया था कि वह 'डेकार्टवादी' है। वह डेकार्ट के दर्शन का व्याख्याता मात्र है। उनका कोई स्वतंत्र दर्शन नहीं है।

परन्तु इस आक्षेप को स्वीकार नहीं किया जा सकता। इन दोनों दार्शनिकों के मतों में विद्यमान भिन्नता को देखने से यह तथ्य स्पष्ट होता है।

Scanned with CamScanner

असमानता डेकार्ट	स्पिनोजा
1. द्वैतवादी (Dualism)	1. एकतत्ववादी (Monism)
2. ईश्वरवादी	2. सर्वेश्वरवादी (Pantheism)
3. संकल्प को प्रथम स्थान	3. बुद्धि को प्रथम स्थान
4. स्वतंत्र इच्छावादी	4. नियतिवादी
5. ईश्वर व्यक्तित्वपूर्ण	5. अव्यक्तित्वपूर्ण
6. मन-शरीर के सम्बन्ध में क्रिया प्रतिक्रियावाद के समर्थक	6. मन-शरीर के सम्बन्ध में समानान्तरवाद के समर्थक
7. दर्शन का आरम्भ 'मैं हूँ' अर्थात् आत्मा से होता है।	7. दर्शन का प्रारंभ 'यह है' अर्थात् द्रव्य से होता है।

Scanned with CamScanner